

घर में घुसा ट्रक, नाबालिग लड़के की मौत ग्रामीणों ने चक्काजाम किया, कहा- स्पीड ब्रेकर बनाए जाए

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में बकलर ट्रक घर में घुसा। हादसे में एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई। साथ ही एक गाय भी मौत हुई है। घटना रविवार दोपहर तीन बजे मोरोली के सिक्करा गाव में हुई। जिसमें 16 साल के चंगु पिता सुभाष यादव की जांची गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बकलर इन्हीं तेज गति से आ रहा था कि चालक का बाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और खर सीधा घर में जा घुसा। घटना की जांचारी मिलते ही ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को समझाकर



जाम खुलवाया। शब को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस

मार्ग पर अक्सर भारी वाहन तेज गति से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से मार्ग पर स्पीड ब्रेकर

बनाए जाए और यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषी के खिलाफ कठी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने केस दर्ज कर फरर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

महाकुंभ में बिछड़े बुजुर्ग को यूपी पुलिस ने ढूँढ़ा आधार कार्ड की मृद दे 12 दिन बाद परिवार से मिलाया



मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। प्रयागराज महाकुंभ में संगम स्नान के दौरान विछड़े 70 वर्षीय जगदीश बाराही को यूपी पुलिस ने उके परिवार से मिला दिया। शहडोल जिले के बुद्धा थाना क्षेत्र के परिवारों गाव के रहने वाले जगदीश

26 जनवरी को अपने रिसेटरों के साथ संगम स्नान के लिए गए थे। भीड़ में वह अपने परिजनों से बिछड़ गए।

परिवार ने उनकी तलाश के लिए यूपी और एमपी पुलिस से मृद दे 12 दिन बाद परिवार से मिला दिया। जगदीश को बुद्धा स्नान में वह अपने परिजनों को ढूँढ़ नहीं पाए और शक्तिवार को एक यूपी पुलिस कर्मी से जगदीश की मूलाकात हुई। उन्होंने पुलिस को अपनी पूरी कहानी बताई।

और अपना आधार कार्ड दियाया।

यूपी पुलिस ने आधार कार्ड में दर्ज पते के आधार पर उन्हें उनके बाल टक्कर के घर पहुंचने पर परिवार में खुशी का मौजूदा था। जगदीश को बाल टक्कर के घर पहुंचने पर उनके बाल भारी भी मौजूद थे।

परिवार ने उनकी तलाश के लिए यूपी और एमपी पुलिस से मृद दे 12 दिन बाद परिवार से मिला दिया। जगदीश को बुद्धा स्नान में वह अपने परिजनों को ढूँढ़ नहीं पाए और शक्तिवार को एक यूपी पुलिस कर्मी से जगदीश की मूलाकात हुई। उन्होंने पुलिस को अपनी पूरी कहानी बताई।

परिवार को अनुसार, बुद्धा के व्यापारी नीलेश जैन ने 20 जन 2023 को शिक्कायत दर्ज कराई थी। शिक्कायत में बताया गया कि आरोपी मृत्युजय उर्फ विकास पादेय और उसका भाई अच्युतांनं उर्फ पंकज पाठेय ने जैन पोर्टल पर सामग्री सलाह करने का जास्त देकर उनसे 1.20 करोड़ रुपये ठग लिए।

शान प्रधारी संजय जायसवाल ने



पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

बताया कि आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना प्रधारी संजय जायसवाल ने बताया कि मामले पर एक आरोपी को घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

बताया कि आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इतवारी मोहल्ले का रहने वाला सलाम उर्फ बादाश अपने रिसेटरों के बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए। आरोपी को बाल टक्कर के घर से गिरफ्तार करना चाहिए।

पुलिस को सूचना म

विद्या

अनेकता में एकता का प्रतीक महाकुंभ

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। अनेकता में एकता का जीता-जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला। लोक-पर्व होकर यह मेला सहस्र वर्षों से जन-विश्वास का आधार बना रहा है। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा यह महाकुंभ पर्व, भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणाओं का जीवन प्रतीक है। कुंभ पर्व, देश के समवेत सांस्कृतिक जीवन का व्यावहारिक उदाहरण है। इन्हीं पर्वों-मेलों ने हमारी भारतीयता (राष्ट्रीयता) को प्राणवान बनाए रखा है। हजारों वर्षों से चली आ रही कुंभ पर्व की इस सांस्कृतिक विरासत को हमारे देश के मनीषी चिन्तकों, पुराणकारों ऋषि-मुनियों, दार्शनिकों, धर्माधिकारियों अथवा साधु-सन्तों ने लोकांचलों में निवास करने वाले पठित-अपठित साधारण जनों तक पहुंचाया है। इस पर्व भावना के पीछे जीवंत आस्था और निष्ठा भाव ही कार्यशील रहा है। भारत भूमि का यह खंड यदि पवित्र और महत्वपूर्ण है तो इसलिए कि वह बाकी विश्व से जोड़ता है, इसलिए नहीं कि वह उसे दूसरों से अलग करके भूगोल की राष्ट्रीय सीमाओं में बांध देता है। विश्वासों की इन मर्यादाओं के परिवेश में ही एक मानव समूह की जीवन धारा, उसकी लय और लौ रूपायित होती है। यह उसकी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रेरणा स्रोत भी है। यह भावना भारत को या भारतीय सभ्यता को आधुनिक दुनिया के राष्ट्रों और राज्य-तंत्रों से अलग कर देती है। इसलिए हमारी संस्कृति सभ्यता को गुलामी के कालखंड से नष्ट करने की तमाम कोशिशों के बावजूद हम ज्यूं के त्यूं खड़े हुए हैं। कुंभ या महाकुंभ जैसे पर्वोत्सव मेलों से भी हमें यह शक्ति प्राप्त होती रही है। इस प्रकार शरीर रूपी घट में निहित अमृत तत्व की अनुभूति का विषय हो तो कुंभ-पर्व के रूप में अमृत पद प्राप्ति के लिए युग-युगों से भारतीय जन जीवन को आस्थाशील बनाए हुए हैं। कुंभ रूप इस लोक पर्व में भी 'मृत्युर्मामूर्तं गमय' की कामना, मरणशील मानव के मन को उद्वेलित एवं प्रेरित करती रही है। वही प्रेरणा, अनादि स्रोत सलिला सरिताओं के तट की ओर, भारतीय मन को सदा से आज्ञिष्ठ करती रही है। निष्कर्ष रूप में कहें तो कह सकते हैं कि इन कुंभ पर्वों ने भौगोलिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाए रखकर राष्ट्रीय जीवन संदर्भों के प्रति जातीय अस्मिता को जागृत करने में अहम भूमिका निभाई है।

उमेश चतुर्वेदी

बजट की तैयारियों के बीच सोशल मीडिया पर एक खबर जुगनू की तरह आई और तत्काल लुप हो गई थी। जिसने जुगनू के उस प्रकाश को देखा और उसके संकेतों को समझने की कोशिश की थी, उन्हें इस बात का आभास हो गया था कि आम बजट में क्या होने जा रहा है। सोशल मीडिया पर आए उस समाचार में कहा गया था कि केंद्र सरकार के प्रति मध्य वर्ग पहले की तरह उत्साही नहीं है। किंचित वह केंद्र सरकार के कामकाज और सरकार की ओर से हो रही बेरुखी से वह परेशान और निराश है। सोशल मीडिया पर मध्य वर्ग की ऐसी प्रतिक्रियाओं पर मोदी की नजर रहती है। इसे देखते हुए उन्होंने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे लोगों से सीधा संवाद करें। सोशल मीडिया यही खबर थी। लेकिन इस खबर के संकेत साफ थे। आम बजट में मध्य वर्ग को राहत मिलने के आसार तभी दिखने लगे थे। निर्मला सीतारमण की ओर से बारह लाख 75 हजार रूपए तक की आय पर मिली आयकर छूट को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और कुछ महीनों बाद देश की राजनीति की धड़कन माने जाने वाली मगध की धरती यानी बिहार में भी चुनाव होना है। निर्मला सीतारमण की ओर से मिली आयकर छूट से सरकारी कर्मचारियों की भी राजधानी मानी जाने वाली दिल्ली चुनाव पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। शायद यही वजह है कि

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है

प्रह्लाद सबनानी

दिनांक 31 जनवरी 2025 को भारत सरकार की विधि मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा लोक सभा में देश का आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया गया। स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सभावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इसे देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में विधि मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है। लोक सभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।



हालांकि, वॉश्वक स्तर पर कुछ देशों में चल रहा आर्थिक परेशानियों के चलते भारत के आर्थिक विकास पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, परंतु, चूंकि भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के सकल घेरलू उत्पाद में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच में रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है।

हाल ही के समय में ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई दी है और कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बढ़ने की सम्भावना है क्योंकि देश में अच्छे मानसून के चलते रबी की फसल के बहुत अच्छे स्तर पर रहने की सम्भावना है और इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पधी बनाए जाने की आज महती आवश्यकता है। सेवा क्षेत्र लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है एवं इस क्षेत्र में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर अतुलनीय बनी हुई है।

भी कम होगी, जिससे नागरिकों के हाथ में अन्य उत्पादों का खरीदने के लिए धन की उपलब्धता बढ़ेगी। आज केवल खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर कुछ अधिक मात्रा में बढ़ी हुई है अन्यथा कोर महंगाई की दर तो पूर्व में ही नियंत्रण में आ चर्ची है। विनीय वर्ष 2025-26 के पश्चात अर्द्धवर्षिती में प्रतिदिन एक करोड़ के आसपास श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए प्रयागराज में पहुंच रहे हैं। रेल्वे द्वारा प्रतिदिन लगभग 3,000 विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए कुछ आंकड़ों के अनुसार, महाकृष्ण मेले से उत्तरप्रदेश में 2 लाख लोगों स्नान का अधिकांश लाभान्वयन

चुका ह। वित्ताय वष 2025-26 क प्रथम अदधवाषका म समग्र महंगाई की दर भी नियन्त्रण में आ जाएगी। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें घटने की सम्भावना भी व्यक्त की गई है। भारत आज अपने कच्चे तेल की कुल मांग का 87 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें कम होंगी तो भारत में महंगाई भी कम होगी। विनिर्माण के क्षेत्र में जरूर कुछ चुनौतियां बनी हुई है एवं कई प्रयास करने के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र की सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सेदारी बढ़ नहीं पा रही है। विनिर्माण क्षेत्र स उत्तरप्रदेश म 2 लाख कराड रुपए का आतारक व्यवसाय एवं 25,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय उत्तरप्रदेश सरकार को होने की सम्भावना है। रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। यह समस्त कार्य न केवल धार्मिक पर्यटन, होटल व्यवसाय, छोटे छोटे उत्पादों के निर्माण एवं बिक्री में अतुलनीय वृद्धि दर्ज करने में सहायक हो रहे हैं बल्कि इससे देश के सेवा क्षेत्र में भी विकास दर तेज हो रही है। किसी भी देश में मध्यमर्गीय परिवारों की संख्या जितनी अधिक होगी उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर

अधिक रहेगी क्योंकि विभिन्न उत्पादों को खरीदने के लिए अर्थव्यवस्था में मांग तो इसी वर्ग के माध्यम से उत्पन्न होती है। अतः देश में प्रयास किए जाने चाहिए कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में अधिक राशि उपलब्ध रहे। भारत में हालांकि समावेशी विकास हुआ है क्योंकि गरीबों की संख्या में तेजी से एवं भारी मात्रा में कमी दर्ज हुई है। परंतु, गरीबी रेखा से हाल ही में ऊपर आकर मध्यमवर्गीय परिवारों की श्रेणी शामिल हुए परिवार कहीं फिर से गरीबी रेखा के नीचे नहीं चले जायें, इस सम्बन्ध में भरसक प्रयास किए जाने चाहिए।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों में हो रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत निर्मित विभिन्न उत्पादों के निर्यात में उतनी वृद्धि दर्ज नहीं हो पा रही है जितनी आर्थिक विकास की दर को ४ प्रतिशत से ऊपर रखने के लिए होनी चाहिए। इससे विदेशी व्यापार घाटा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। साथ ही, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत पर भी लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि विदेशी निवेश में आ रही कमी को अस्थायी समस्या बताया गया है और विभिन्न देशों में स्थितियों के सुधरने एवं अमेरिका में आर्थिक नीतियों के स्थिर होने के साथ ही, भारत में विदेशी निवेश पुनः बढ़ने लगेगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के 6.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। वृद्धि दर में गिरावट के मुख्य कारणों में शामिल हैं देश में लौक सभा एवं कुछ राज्यों में विधान सभा चुनाव होने के चलते आचार संहिता लागू की गई थी, इससे केंद्र सरकार एवं कुछ राज्य सरकारों को अपने पूँजीगत खर्चों को रोकना पड़ा था। नवम्बर 2024 तक केंद्र सरकार द्वारा केवल 5 लाख करोड़ रुपए के पूँजीगत खर्च किये जा सके हैं, जबकि औसतन 90,000 करोड़ रुपए के पूँजीगत खर्च प्रति माह होने चाहिए थे। क्योंकि, पूँजीगत खर्चों के लिए पूरे वर्ष भर का बजट 11.11 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित हुआ था। अब सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में केवल 9 लाख करोड़ रुपए के पूँजीगत खर्च ही हो सकते हैं। विभिन्न कम्पनियों द्वारा अदा किए जाने वाले कर में भी कमी दिखाई दी है और कुछ कम्पनियों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। जिन जिन कम्पनियों की लाभप्रदता बहुत अच्छे स्तर पर बनी हुई है, इन कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि केंद्र सरकार के साथ साथ वे भी अपने पूँजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि देश में नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो और विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति बढ़े, रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित हों और महंगाई पर नियंत्रण बना रहे। विशेष रूप से देश में आधारभूत ढांचे को और अधिक मजबूत करने में निजी कम्पनियों द्वारा अपनी भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में कमी करने के सम्बन्ध में भी अब गम्भीरता से विचार करना चाहिए ताकि विनिर्माण इकाईयों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत कम की जा सके और वैसे भी अब मुद्रा स्फीति तो नियंत्रण में आ ही चुकी है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में मुद्रा बाजार में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशि से तरलता को बढ़ाया ही है, इससे बैंकों द्वारा विभिन्न कम्पनियों, कृषकों एवं व्यापारियों को ऋण प्रदान करने में आसानी होगी।

आर्थिक सर्वेक्षण में यह भी बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 273 लाख करोड़ रुपए का रहा है जो वर्ष 2023-24 में बढ़कर 295 लाख करोड़ रुपए का हो गया, अब वित्तीय वर्ष 2022-25 में 324 लाख करोड़ रुपए एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 357 लाख करोड़ रुपए का रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस प्रकार सम्भव है कि भारत आगामी 2/3 वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार बजट घाटा जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6.4 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 5.6 प्रतिशत का रहा था वह अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 4.8 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस प्रकार केंद्र सरकार द्वारा देश की वित्तीय स्थिति को लगातार मजबूत बनाए रखने के प्रयास सफल रहे हैं। केंद्र सरकार के बजट में कुल आय 34.3 लाख करोड़ रुपए एवं कुल व्यय 50.3 लाख करोड़ रुपए रहने की सम्भावना है, इससे बजट घाटा 16 लाख करोड़ रुपए का रह सकता है।

लोक लुभावन भी और राजनीतिक भी



रुपए का फायदा हुआ है तो 18 लाख रुपए की आमदनी वाले को टैक्स में 70 हजार रुपए का लाभ दिख रहा है। इसी तरह 20 लाख रुपए की आमदनी वाले को 90 हजार रुपए का फायदा होगा तो 25 लाख रुपए की आमदनी वाले को एक लाख दस हजार रुपए का नए टैक्स नियमों से फायदा होगा। इसी तरह 50 लाख रुपए की आमदनी वाले को भी एक लाख दस हजार रुपए का फायदा हो रहा है। जाहिर है कि मध्य वर्ग को इससे फायदा होता नजर आ रहा है। बायस ऑफ बैंकिंग के प्रमुख अश्विनी राणा के अनुसार, टैक्स बचने से लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा आयेगा। इससे लोगों की खरीद क्षमता बढ़ेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों में तेज आने की संभावना है।

केन्द्रीय बजट में कृषि और महिलाओं पर भी फोकस किया गया है। पीएम धन-धान्य योजना का प्रस्ताव किया गया है। किसानों को किसान ट्रेडिंग कार्ड की सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख किया गया। इससे किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए लाभ होगा। भारतीय पोस्ट यानी इंडियन पोस्ट के दफतरों के जरिए ग्रामीण क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ाने की कार्यशक्ति की जा रही है। इसका लाभ भी किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के छोटे उद्योगों को लाभ मिलेगा। एमएसएमई के राष्ट्रीय मिशन के रूप में लिया जाएगा और

A portrait of Arun Jaitley, an Indian politician and businessman, wearing glasses and a dark shirt, looking slightly to the side.

बचना होगा। सरकार की इसके लिए कड़ा निगरानी खबरी होगी। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के लिए नए कोड की घोषणा शीघ्र होगी। जीवन रक्षक दवाइयों पर आयात शुल्क समाप्त करने से रोगियों को बड़ी राहत मिलेगी। हर जिले में कैंसर के इलाज की सुविधा देना भी बड़ा फैसला है। इसके साथ ही मेडिकल पर्ट्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी है। आम आदमी का सफना है अपने सिर पर अपना छत होना। इस बजट के जरिए लोगों को घर खरीदने में राहत का भी ऐलान किया गया है। इससे लोगों के साथ ही रियल एस्टेट को भी फायदा होगा। जिससे निर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

मध्यम वर्गीय परिवारों
को निश्चित रूप से
लाभ होगा और हम
आर्थिक रूप से बहुत
मजबूत देश की ओर
बढ़ रहे हैं... माननीय
प्रधान मंत्री की सरकार
द्वारा उठाए गए कदम
सराहनीय है।

-अनुल कुरलेकर

अद्वृत बजार

यह वास्तव में अद्भुत बजट है और इसके व्यापक दीर्घकालिक प्रभाव हैं। बजट से मध्यम वर्गीय परिवारों को निश्चित रूप से लाभ होगा और हम आर्थिक रूप से बहुत मजबूत देश की ओर बढ़ रहे हैं... माननीय प्रधान मंत्री की सरकार द्वारा उठाए गए कदम सराहनीय है।

